केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान
रहमानखेड़ा, पो. काकोरी, लखनऊ-227 107 उ.प्र.(भारत)
Central Institute for Subtropical Horticulture
Rehmankhera, PO Kakori, Lucknow-227 107 U.P. (India).

25.01.2011

प्रेस विज्ञप्ति

आम के भुनगा कीट का प्रबंधन

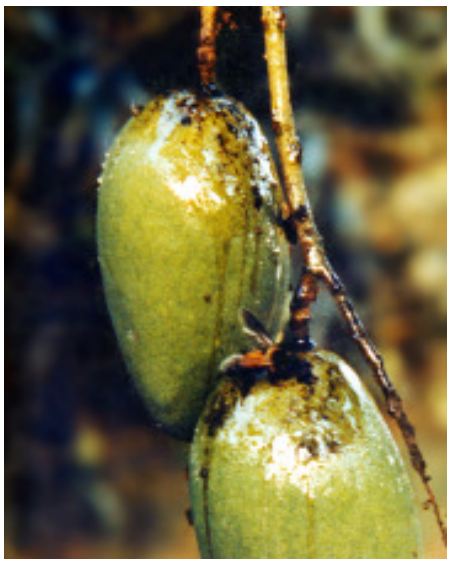

आम का भुनगा (फुदका या लस्सी) एक अत्यंत हानिकारक कीट है जो गंभीर अवस्था में आम की फसल को 50 प्रतिशत तक हानि पहुँचा सकता है। इस कीट का प्रकोप फरवरी के अंतिम सप्ताह से मार्च के पहले सप्ताह के बीच दिखना शुरू हो जाता है। ***अमरीटोड़स एटकिनसोनाई, इडियोस्कोपस क्लाइपेएलिस*** तथा ***इडियोस्कोपस निटीड़्यूलस*** भुनगा कीट की प्रमुख प्रजातियाँ हैं जिन्हें उनके रंग, आकार तथा पेट पर विद्यमान धब्बों से आसानी से पहचाना जा सकता है। ***ए. एटकिनसोनाई*** सबसे बड़े आकार का 4.2 से 5 मि. मी. लम्बा तथा गहरे भूरे रंग का होता है। इसके पेट तथा वरूथिका पर दो धब्बे होते हैं। ***आई. निटीड़्यूलस*** आकार में थोड़ा छोटा 4–4.8 मि. मी. लम्बा होता है। इसके वरूथिका में तीन धब्बे होते हैं। इसके हल्के भूरे पंखों के चारों तरफ एक प्रमुख पटटी होती है। ***आई क्लाइपेएलिस*** आकार में सबसे छोटा

(3.5 मि. मी.) एवं हल्के भूरे रंग का होता है जिसके वरूथिका पर दो तथा शीर्ष पर अनेक काले धब्बे होते हैं। वयस्क भुनगा फरवरी के मध्य से मार्च तक फूल के ऊतकों पर अण्डे देते हैं। ये फूल की प्रशाखाओं, कलियों तथा मुलायम पत्तियों पर भी एक–एक करके अण्डे देते हैं। भुनगे के शिशु अंडे से एक सप्ताह में बाहर आ जाते हैं। बाहर आने के बाद शिशु एवं वयस्क कीट पुष्पगुच्छ (बौर), पत्तियों तथा फलों को भेद कर उनके मुलायम हिस्सों से रस को चूस लेते हैं। इससे पेड़ के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव होता है और विशेषकर पुष्प क्रम नष्ट होता है तथा फल गिरते हैं। भारी मात्रा में भेदन तथा सतत रस चूसने के कारण पत्तियां मुड़ जाती हैं तथा प्रभावित ऊतक सूख जाते हैं। यह एक मीठा चिपचिपा द्रव निकालते हैं जिस पर सूटी मोल्ड (काली फफूँद) का वर्धन होता है। सूटी मोल्ड एक प्रकार की फफूँद होती है जो पत्तियों में होने वाली प्रकाश संश्लेषण की क्रिया को प्रभावित करती है। भुनगा कीट पूरे वर्ष देखा जाता है किन्तु फरवरी से अप्रैल तथा जून से अगस्त के बीच इसका प्रकोप अधिक होता है। छाया एवं अधिक नमी इसकी गुणन में सहायक होती है। ऐसी स्थिति पास–पास लगाये गये, पुराने तथा उपेक्षित वृक्षों में होती है। गर्मी में भुनगा का जीवन–काल 2–3 सप्ताह का होता है।

आम के भुनगा कीट का प्रबंधन कैसे करें ?

आम का भुनगा के प्रबंधन के लिए प्रथम छिड़काव इमिडाक्लोप्रिड (0.005 प्रतिशत, 0.3 मि. ली./ली. पानी) का पुष्पगुच्छ निकलने की प्रारम्भिक अवस्था में करना चाहिए जब भुनगों की संख्या 5 प्रति पुष्पगुच्छ से अधिक हो तथा दूसरा छिड़काव थॉयामेथोक्जाम (0.005 प्रतिशत, 0.2 ग्रा./ली. पानी) या एसिफेट (1.5 ग्रा./ली पानी) का फल बैठने के बाद करें। तीसरा छिड़काव यदि आम के भुनगे की संख्या अभी भी अधिक हो तो कार्बारिल (0.15 प्रतिशत, 3 ग्रा. /ली. पानी) का फल की परिपक्वता से पूर्व करना चाहिए। साइपरमेथ्रिन, परमेथ्रिन, फेनवेलरेट तथा डेल्ट्रामिथ्रिन सिंथेटिक पाइरेथ्राइड्स का आम के पेड़ों में छिड़काव नहीं करना चाहिए क्योंकि ये मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक एवं दूसरे नये कीटों की उत्पत्ति में वृद्धि करते हैं। यदि 50 प्रतिशत से अधिक पुष्पन हो गया हो तो बागवानों को छिड़काव नहीं करने की सलाह दी जाती है क्योंकि इससे परागण क्रिया पर असर होता है जिससे कम फल बैठते हैं। आम में भुनगा के प्रभाव को कम करने के लिए बागों को साफ रखें, नियमित जुताई करें, खरपतवारों को निकालते रहें तथा घने एवं एक दूसरे पर फैली शाखाओं की दिसंबर महीने में कटाई कर दें।